HOROSCOPETIMES
.COM

Disclaimer:
Astrology is a science which deals in the effects of planets on living beings. To predict its effects, one has to calculate the position of planets & their strengths. Calculations as prepared by Horoscopetimes in this horoscope are very accurate and true apparent longitudes have been used for all the planets. The Ayanamsa adopted is Chitrapaksha Ayanamsa, unless & until other ayanamsa is asked for.
This horoscope is based on Date, Time and Place of Birth provided by the native and we do not stand any responsibility for the accuracy of this data. Astrological calculations & predictions are all based on this basic input given by the native.
Predictions given in the horoscope are indicative tendencies and likelihood and not strict guidelines for action by native. User is suggested to treat these predictions & suggestion with due care and caution.
The horoscope and the information given in the following pages shall not be made a cause of legal dispute for any actual or consequential loss to the native. No cause of action for any damages or otherwise can therefore be entertained.

Provided By:

www.horoscopetimes.com

info@horoscopetimes.com

KDP Neha

क्रम : 1108 / Customers . 1 . 56 मॉडल : M2 दिनाँक : 01/02/2009

KDP		Neha
पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
03/11/1985	जन्म तिथि	23-24/09/1986
रविवार	जन्म दिन	मंगलवार-बुधवार
16:10:00	जन्म समय	05:30:00
23:49:29	जन्म समय (घटी)	58:03:22
India	देश	India
Nandurbar	स्थान	Jaipur
उत्तर 21:22:00	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
पूर्व 74:18:00	रेखांश	75:50:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
- 0:32:48	स्थानिक समय संस्कार	- 0:26:40
0:00:00	युद्ध/ग्रीष्म समय संस्कार	0:00:00
15:37:12	स्थानिक समय	5:03:20
6:38:12	सूर्योदय	6:16:39
17:54:29	सूर्यास्त	18:21:17
23:39:20	चित्रपक्षीय अयनांश	23:40:11
मीन	लग्न	सिंह
गुरु	लग्नाधिपति	सूर्य
मिथुन	राशि	वृष
बुध	राशि स्वामी	शुक्र
आर्द्रा	नक्षत्र	रोहिणी
राहु	नक्षत्र स्वामि	चन्द्र
4	चरण	2
सिद्ध	योग	सिद्धि
गर	करण	वणिज
छत्रपति-छ	जन्म नामाक्षर	व-वाणी
वृश्चिक	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
शूद्र	वर्ण	वैश्य
मानव	वश्य	चतुष्पाद
श्वान	योनि	सर्प
मनुष्य	गण	मनुष्य
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
सिंह	वर्ग	मृग

Provided By:
www.horoscopetimes.com
info@horoscopetimes.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

दशा का भोग्यकाल	
राहु	
0 व 7 मा 4 दि	
शनि	19 वर्ष
09/06/2002	
09/06/2021	
शनि	12/06/2005
बुध	20/02/2008
केतु	31/03/2009
शुक्र	31/05/2012
सूर्य	13/05/2013
चन्द्र	12/12/2014
मंगल	21/01/2016
राहु	27/11/2018
गुरु	09/06/2021

अंश	राशि	ग्रह		राशि	अंश
15:25:56	मीन	लग्न		सिंह	25:56:47
17:17:52	तुला	सूर्य		कन्या	6:58:57
19:33:28	मिथु	चन्द्र		वृष	13:40:47
10:36:37	कन्या	मंगल		धनु	28:43:57
9:44:49	वृश्चि	बुध		कन्या	21:09:04
15:01:14	मकर	गुरु	व-	कुम्भ	22:29:20
28:36:33	कन्या	शुक्र		तुला	19:00:13
4:44:33	वृश्चि	शनि		वृश्चि	11:10:44
15:36:00	मेष -व	राहु		मीन	27:22:17
15:36:00	तुला -व	केतु		कन्या	27:22:17
22:23:41	वृश्चि	हर्ष		वृश्चि	25:00:06
7:54:51	धनु	नेप		धनु	9:23:33
11:16:43	तुला	प्लू		तुला	12:11:53
12:42:49	धनु	दशम भाव		वृष	25:38:08

दशा का भोग्यकाल	
चन्द्र	
7 व 2 मा 26 दि	
राहु	18 वर्ष
20/12/2000	
20/12/2018	
राहु	02/09/2003
गुरु	26/01/2006
शनि	02/12/2008
बुध	21/06/2011
केतु	09/07/2012
शुक्र	09/07/2015
सूर्य	02/06/2016
चन्द्र	02/12/2017
मंगल	20/12/2018

चित्रपक्षीय अयनांश: 23:39:20 अंश

लग्न एवं चलित

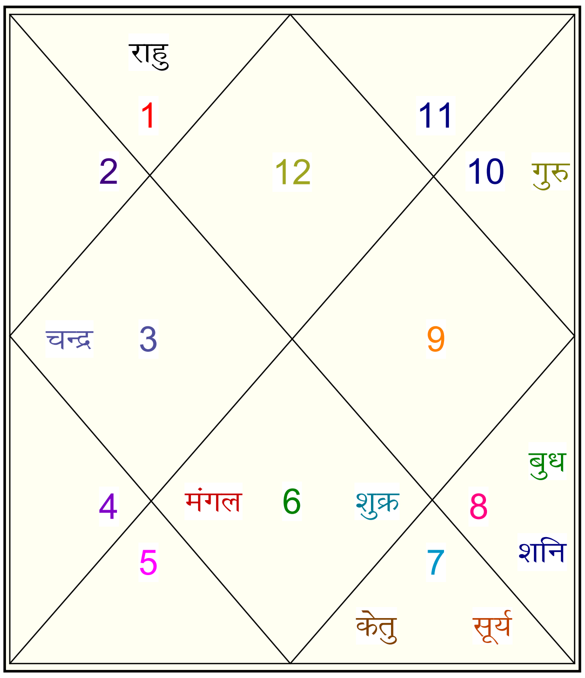

लग्न एवं चलित

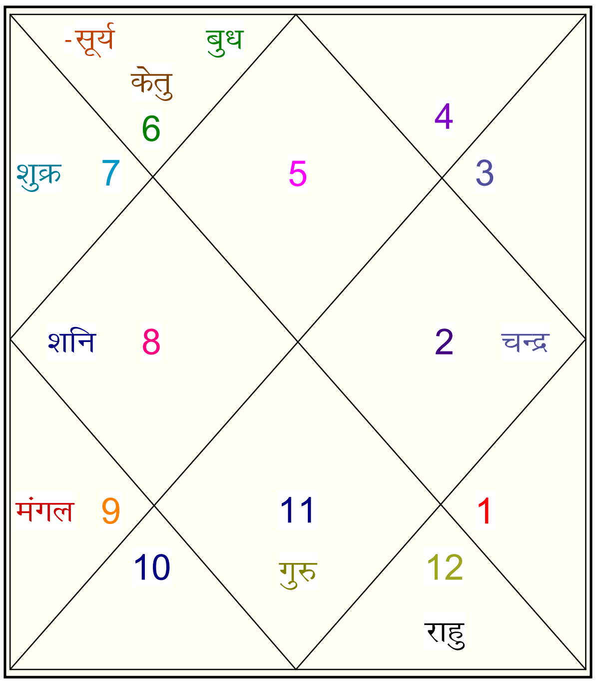

KDP Neha

चन्द्र

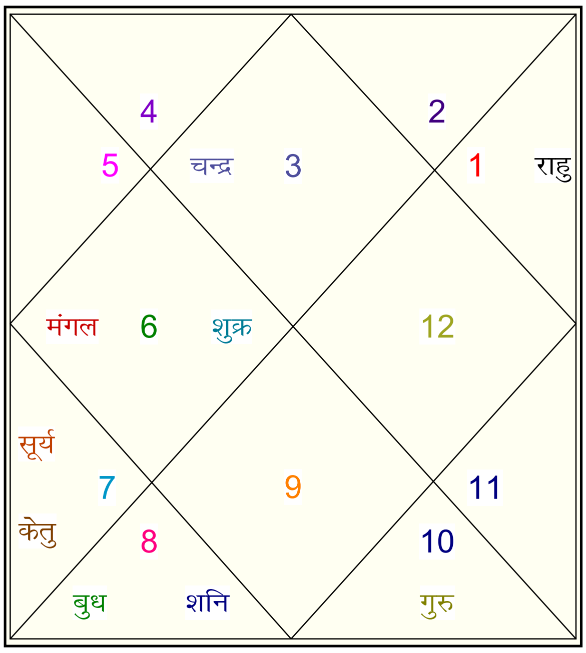

चन्द्र

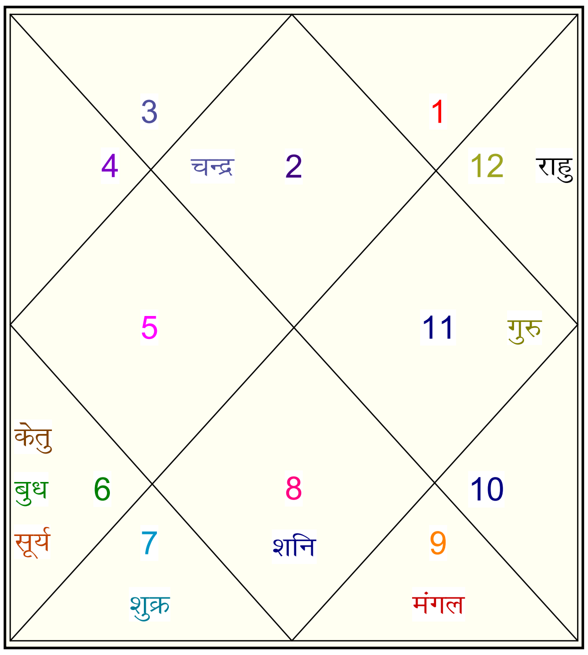

नवमांश

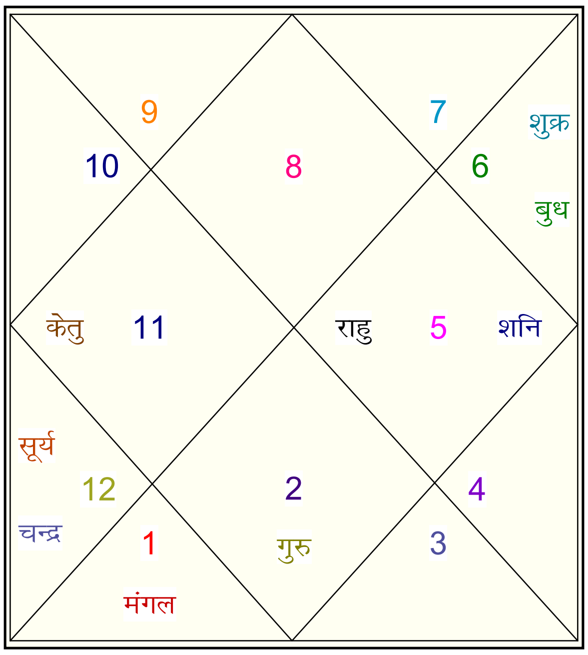

नवमांश

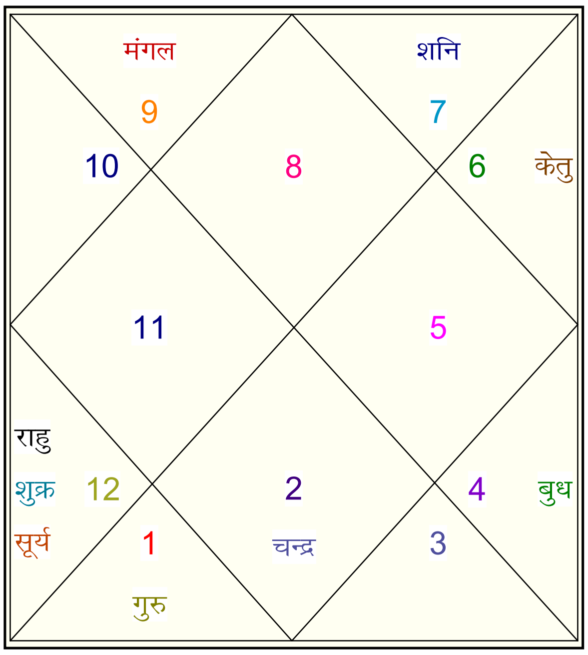

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	दोष	अधिकतम	प्राप्त	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	--	1	0	जातीय कर्म
वष्य	मानव	चतुष्पाद	--	2	1	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	--	3	1.5	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	--	4	2	यौन-विचार
ग्रहमैत्री	बुध	शुक्र	--	5	5	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	--	6	6	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	हां	7	0	जीवन-शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	--	8	8	स्वास्थ्य/संतान
कुल				36	23.5	

- भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

- KDP का वर्ग सिंह है तथा Neha का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर शत्रुता है।

- अष्टकूट मिलान के अनुसार KDP और Neha का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

KDP मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि KDP कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Neha मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

KDP तथा Neha में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

स्वभाव

KDP की जन्म राशि वायुतत्व युक्त मिथुन तथा Neha की राशि भूमितत्व युक्त वृष राशि है। वायु एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक शत्रुता एवं असमानता का भाव विद्यमान रहता है अतः KDP और Neha के मध्य स्वभावगत असमानताओं के कारण संबधों में मधुरता की अपेक्षा तनाव रहेगा परन्तु परस्पर सामंजस्य से अनुकूल वातावरण बनाने में दोनों समर्थ रहेंगे।

KDP का राशी स्वामी बुध तथा Neha का राशि स्वामी शुक्र परस्पर मित्र हैं। अतः इसके प्रभाव से KDP और Neha में स्वभावगत असमानताएं होते हुए भी एक दूसरे के प्रति प्रेम एवं स्नेह का भाव रखेंगे तथा दो सच्चे मित्रों की तरह एक दूसरे के दोषों की उपेक्षा करते हुए पूर्ण सहयोग का भाव रखेंगे जिससे दाम्पत्य जीवन के सुख एवं शांति में भाव में वृद्धि होगी।

KDP और Neha की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। जो एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से मानसिक स्तर पर विभिन्नता के कारण संबधों में तनाव का भाव उत्पन्न हो सकता है। KDP की प्रवृति परिवर्तनशील होगी जबकि Neha इसे पसंद नहीं करती। साथ ही Neha शांति प्रिय तथा आदर्श गृहिणी होंगी जबकि KDP अपने कार्य कलापों को करने में तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Neha की इच्छा के प्रतिकूल KDP की क्रियाओं से परस्पर संबधों की मधुरता में न्यूनता रहेगी।

KDP का वश्य मानव तथा Neha का वश्य चतुष्पद है। मानव एवं चतुष्पद में नैसर्गिक विषमता एवं शुभता का भाव रहता है। अतः KDP और Neha की अभिरूचियों में अंतर रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता होगी फलतः दाम्पत्य संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में अल्प मात्रा में ही सफल होंगे जिससे जीवन विशेष सुखमय नहीं रहेगा।

KDP का शूद्र वर्ण होने के कारण वह एक गंभीर एवं कर्तव्य परायण कार्य कर्ता होंगे तथा अपने इन गुणों से कार्य करने में तत्पर रहेंगे। Neha का वर्ण वैश्य है अतः धनार्जन तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य करने में उनकी रूचि रहेगी तथा आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगी।

स्वास्थ्य

KDP की नाड़ी आद्य तथा Neha की नाड़ी अन्त्य है। अतः अलग अलग नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण इन पर नाड़ी दोष का प्रभाव नहीं रहेगा जिससे किसी गंभीर समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा परन्तु मंगल का Neha के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव होगा जिससे उनको गर्भपात संबधी परेशानी की संभावना होगी तथा धातु संबधी रोगों से भी यदा कदा कष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही मासिक धर्म संबधी परेशानी का भी यदा कदा सामना करना पड़ेगा। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Neha को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

सन्तान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से KDP और Neha का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त KDP और Neha के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Neha के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Neha को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Neha को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से KDP और Neha सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार KDP और Neha का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

धन

KDP और Neha दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। KDP और Neha दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से KDP की प्रवृति व्ययशील होगी। वह जुआ सटटा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि KDP को ऐसी प्रवृतियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

ससुराल से सम्बंध

Neha के अपने सास से सामान्य संबध रहेंगे तथा परस्पर सामंजस्य से मधुरता बनी रहेगी यद्यपि इनके मध्य यदा कदा विवाद या मतभेद उत्पन्न होंगे परन्तु उनका बुद्धिमता से समाधान करने में दोनों को सफलता प्राप्त होगी। साथ ही Neha यत्नपूर्वक सास की सुख सुविधाओं का ध्यान रखकर उनकी सेवा में तत्पर रहेंगी।

लेकिन ससुर से पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति अर्जित करने में Neha को कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथा उनकी तरफ से समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगी। परन्तु ननद एवं देवरों से संबधों में मधुरता रहेगी तथा उनका व्यवहार मित्रवत रहेगा फलतः उनसे पूर्ण स्नेह एवं सहानुभूति प्राप्त होगी।

इस प्रकार Neha को ससुराल में सामान्य रूप से अनुकूल वातावरण मिलेगा तथा किंचित असुविधाओं का सामना करके वह सामंजस्य स्थापित करने में सफल हो सकेंगी।

KDP के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में KDP के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण KDP के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा KDP भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।